Lecture Series No:->66.

Online class.
Date- 7/7/2020
Time- 10 to 10:50 A.M.

TOPIC,

(1) Proofs of the existence of God.

Dr. Surita Kumari
Department of Philosophy.
B.A part - I
Paper - (5)
A.N.D. College Shahpur Patory.
Samastipur.

Ans:-> ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण :-> योग दर्शन में ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए निम्नलिखित युक्तियाँ दी गई है।

(i) श्रुति प्रमाण :-> ईश्वर का अस्तित्व शास्त्र सम्मत है। वेद, उपनिषद, गीता आदि में सभी शास्त्रों ने ईश्वर का अस्तित्व माना है। तथा उसी का साक्षात्कार जीवन का चरम लक्ष्य माना है।

(ii) ज्ञान और शक्ति की चरम सीमा ईश्वर है :-> जिस वस्तु की न्यूनाधिक महत्ता

P.T.O.

रहती है। उसकी एक अल्पतम और अधिकतम सीमा होनी ही चाहिए। जैसे संसार के ~~छोटे~~ छोटे - बड़े परिणाम में अणु और अधिकतम आकाश। इसी प्रकार ज्ञान और शक्ति आदि को भी एक अधिकतम सीमा होनी ही चाहिए

अर्थात् एक पुरुष ~~ऐसा~~ ऐसा होना चाहिए, जिसमें सर्वाधिक ज्ञान और अधिकतम शक्ति हो, वही ~~परम पुरुष~~ (पुरुष), परम पुरुष ईश्वर यदि उसके समान ज्ञान और शक्ति वाला कोई दूसरा पुरुष होता तो उन दोनों में संघर्ष होने से विश्व में अव्यवस्था फैलने का खतरा होता है। पुरुष और प्रकृति के संयोग और वियोग से क्रमशः जगत् की सृष्टि तथा प्रलय होता है। भिन्न तत्व होने के कारण

P.T.O.

Scanned with CamScanner

इनका संयोग और वियोग स्वभावतः नहीं हो सकता। अतः एक बुद्धिमान और जीवों के आदृष्टा अनुसार प्रकृति से पुरुष पुरुष का संयोग अथवा वियोग करनेवाला (नियामित) निमित्त कारण होना चाहिए। यही ईश्वर है। ईश्वर

(iii) → प्रकृति - पुरुष के संयोग - वियोग के लिए ईश्वर की आवश्यकता है। प्रकृति से पुरुष का संयोग अथवा वियोग करनेवाला निमित्त कारण होने चाहिए।

(iv) योगाभ्यास के सहायक कारण में → ईश्वर का अस्तित्व इसलिए भी आवश्यक है कि वह योगाभ्यास में सहायक हो। ईश्वर प्रणिधान समाधि का साधन है। यद्यपि ध्यान या समाधि का विषय कुछ भी हो सकता है किन्तु यदि उसका विषय ईश्वर हो।

END